

अपनी "फोकस्ड" शैली के कारण कमला हैरिस का पलड़ा भारी पड़ रहा है ट्रम्प पर

पर, भारतीयों का अमेरिका में सबसे बड़ा संगठन, "हिन्दूज़ फॉर अमेरिका फर्स्ट" पूर्णतया डॉनल्ड ट्रम्प के पक्ष में खड़ा है, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ जून में हुई अपनी बहस में, पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने प्रशासनिक कार्यों की अभूतपूर्व प्रकृति की डींगें मारी थीं तथा कहा था कि मेडिकल नजरिये से देखने पर भी, इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। उन्होंने "राइट टु ट्राई" जैसी पहलों का उल्लेख किया जिसके चलते "टर्मिनली" बीमार मरीजों को दूसरे देशों में इलाज के लिए जाने देने के बजाय, कर्टिंग-ऐज-मैटिरियल" का उपयोग करते हुए, उनका प्रायोगिक तौर पर इलाज किया गया। ट्रम्प का अंतिम तर्क अटपटा था, लेकिन जहाँ बाइडन का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से कमजोर था, वहीं उस रात को ट्रम्प की सफलता का कारण बाइडन की ओर ज्यादा बढ़ी

- वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन, ट्रम्प के सामने कमजोर पड़े, क्योंकि वे अपने भाषणों में "फोकस्ड" नहीं थे तथा वे अपने प्रतिद्वंद्वी की कमजोरी व गलतियों का लाभ उठाने में प्रभावी नहीं पाये गए थे।
- कमला हैरिस, परन्तु, एक सफल वकील रही हैं, अतः उनकी टिप्पणियाँ प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ तीखी व तिलमिला देने वाली होती हैं।
- ट्रम्प अपने भाषणों में बड़े "नाटकीय" व "अनफोकस्ड" होते हैं तथा विचारों पर अनुशासित नहीं रह पाते। उनका यह आचरण कमला हैरिस को पूर्ण मौका देता है, ट्रम्प की आँकड़ों की सच्चाई व तर्कों के सतहीपन पर सार्वजनिक रूप से आक्रमक होकर, पुरा राजनीतिक लाभ उठाने का।
- बाइडन ऐसा नहीं कर पाते थे, अतः "रेस" से बाहर हो गये और कमला हैरिस अच्छी तरह से कर सकती हैं, अतः "रेस" जीत भी सकती हैं।

असफलता रही। यद्यपि बाइडन के जवाब लिखित रूप में तो काफी सुसंगत थे, लेकिन अप्रभावी प्रस्तुति तथा ट्रम्प की बहुत बड़ी गलतियों का प्रभावी रूप से प्रतिकार

करने में उनकी असमर्थता ने उनके जवाबों का सत्यानाश कर दिया था। ट्रम्प की बहस में ग्रामक बयान तथा निराधार दावों की भरमार थी, जैसे उनका यह कहना, कि 6 जनवरी को

संसद भवन पर हुए हमले की जिम्मेदारी हाउस स्पीकर नेन्सी पेलेोसी ने ले ली थी। "द इक्वॉलिस्ट" का एक लेख कहता है कि अतिशयोक्तियों तथा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अचानक घटना से कार्डिएक अरैस्ट हो सकता है'

जयपुर, 7 सितंबर। जिले की मोटर एक्सिडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एम.ए.सी.टी.) ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति के साथ अकस्मात घटना होने पर, चोटों के बिना भी, उसे कार्डियक अरैस्ट आ सकता है। ऐसी स्थिति में बीमा कंपनी क्लेम देने की जिम्मेदारी से बच नहीं

- मोटर एक्सिडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल ने यह टिप्पणी करते हुए बीमा कंपनी से कहा कि वह मृतक के परिवार को "क्लेम" की राशि दे।

सकती। वहीं कोर्ट ने विपक्षी बीमा कंपनी को निर्देश दिया कि वह प्रार्थिका को क्षतिपूर्ति के तौर पर 1.4.3.1 लाख रुपए की राशि ब्याज सहित दे। कोर्ट ने कहा कि यदि अकस्मात घटना नहीं होती तो उसकी मौत नहीं होती। कोर्ट ने यह आदेश लाल कंवर व अन्य की क्लेम याचिका पर दिया।

याचिका में कहा कि प्रार्थिका का पति महावीर सिंह 12 जनवरी 2022 की रात आठ बजे अपने ट्रक को कनकपुरा फाटक के पास खड़ा कर पैदल-पैदल खाना खाने होटल पर जा रहा था। वह महफिल होटल के पास पहुंचा तो नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से बॉमित मोटरसाइकिल के चालक ने गलत साइड से आकर उसे टक्कर मारी। इसमें उसे खरोंच आई और वह बेहोश (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विनेश व पूनिया के कांग्रेस में जाने से तिलमिलाई भाजपा बृज भूषण की शरण में पहुंची

बृज भूषण ने विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया पर आरोपों की बौछार की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। हरियाणा में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले दो पहलवानों- विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के देश की सबसे पुरानी पार्टी, कांग्रेस में शामिल हो जाने के बाद भाजपा द्वारा इन दोनों ओलम्पियनों पर प्रहार करने के लिये कुख्यात बाहुबली बृजभूषण सिंह को मैदान में उतार दिया गया है ताकि कांग्रेस इन दोनों का चुनावी लाभ न ले सके। इस पृष्ठभूमि में, सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

- बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, 18 जनवरी 2023 को दिल्ली में जंतर मंतर पर जो आंदोलन हुआ था वह खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं था। सारा आंदोलन कांग्रेस का षड्यंत्र था, जिसे भूपिंदर सिंह हुड्डा लीड कर रहे थे।

बृज भूषण ने विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में जाने पर कहा, इससे स्पष्ट है कि उनके खिलाफ जो भी आरोप लगाए गए हैं वे सभी राजनीति से प्रेरित हैं।

- ज्ञातव्य है कि, रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और भाजपा के बाहुबली नेता बृज भूषण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप है और उनके खिलाफ आंदोलन किया गया था जिसके कारण उन्हें पद छोड़ना पड़ा था।

का कहना है कि भाजपा हाईकमान ने भाजपा के पूर्व सांसद सिंह से खासतौर से कहा है कि उन्हें कांग्रेस को इसका चुनावी लाभ लेने से रोकना है। पहलवान विनेश फोगाट और

बजरंग पूनिया की इस राजनैतिक छलंग के बाद आये पूर्व डब्ल्यू.आई.एफ. अध्यक्ष सिंह के साविश के आरोप के तुरन्त बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा में नहीं होगा कांग्रेस और आप का गठबंधन?

आप की ज़िद ने दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे की वार्ता में गतिरोध पैदा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। लगता है कि आम आदमी पार्टी हरियाणा में अपने पैर फैलाने की अधिक इच्छुक है, बजाय कांग्रेस के साथ मिलकर भाजपा का मुकाबला करने के, क्योंकि इण्डिया ब्लॉक की दोनों सहयोगी पार्टियों के बीच संस्थाओं को लेकर सीट शेयरिंग की वार्ता विफल होने के कारण पर है। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर चल रही अर्निश्चितताओं के बीच आज आप ने, सीट शेयरिंग वार्ता को एक मौका देने के लिए चुप्पी बनाए रखने के बजाय धमकी दे डाली, कि जो लोग पार्टी को "कम आंक" रहे हैं वो "पछताएंगे"।

दिन के शुरू में आप की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कर ने कहा कि बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद

नाबालिग का अपहरण और रेप, आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 7 सितंबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त

- आम आदमी पार्टी 90 सीटों में से 10 सीटें मांग रही है, पर, कांग्रेस 5-7 देना चाहती है।
- आप नेताओं ने धमकी भी दी कि आप को कमजोर ना समझा जाए, वह 90 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है।
- कांग्रेस ने आप पार्टी की धमकी पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

जताई कि "कुछ निर्णय" होगा, क्योंकि, वार्ता जारी है और अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी। उनसे पूछा गया था कि यदि कांग्रेस के साथ गठबंधन हो जाता है तो आप कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, आप के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) संदीप पाटक ने कहा, "हम पूरी तरह तैयार हैं और पार्टी के आदेश का इंतजार कर रहे हैं तथा जो भी हमें कम समझौदा वो भविष्य में खुद ही पछताएगा।"

दूसरी तरफ कांग्रेस ने आप नेताओं के उक्ताने पर प्रतिक्रिया ना देकर गरिमा बनाए रखने का रास्ता चुना है। कांग्रेस तथा आप के बीच गठबंधन की वार्ता में सीट शेयरिंग को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, आप ने 10 सीटों की मांग की थी, जबकि, कांग्रेस ने 5 से 7 सीटें देने का प्रस्ताव दिया था। हरियाणा में 5 अक्टूबर को चुनाव होने हैं तथा नामांकन दाखिल करने की अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक केस में राईका की रिमांड बढ़ी

जयपुर, 7 सितंबर। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने एस.आई. भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले में आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामू राम राईका और उसके बेटे देवेश व पुत्री शोभा सहित तीन अन्य की रिमांड अवधि दस सितंबर तक बढ़ा दी है। वहीं, 6 सितंबर को जोधपुर से गिरफ्तार ऋतु शर्मा को भी

- मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामू राम राईका, उनके पुत्र देवेश, पुत्री शोभा व तीन अन्य की रिमांड 10 सितम्बर तक बढ़ा दी है।

दस सितंबर तक रिमांड पर भेजा है। एस.ओ.जी. की ओर से रिमांड अवधि पूरी होने के बाद राईका, मंजू देवी, अविनाश पलसानिया और विजेन्द्र कुमार को अदालत में पेश किया गया। एस.ओ.जी. ने कहा कि आरोपियों से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलोर में फिर गर्माया हिंदी बनाम कन्नड़ विवाद

एक्स पर कन्नड़ व हिंदी समर्थकों के बीच भारी गर्मागर्मी का माहौल

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। कर्नाटक में निकट भविष्य में तो कोई चुनाव नहीं है। लेकिन एक्स पर भाषाई मुद्दे पर भावनापूर्ण बयानों की भरमार है। कन्नड़ लोग प्रवासियों के बेटुके कटाओं और भाषाई के कट्टरता के प्रति भी उतेजक टिप्पणियाँ कर रहे हैं।

गत दो-तीन दिन से सोशल मीडिया साइट एक्स पर कन्नड़ भाषा के पैरोकार काफी गुस्से में हैं और तथाकथित हिंदीभाषियों को आड़े हाथों ले रहे हैं, क्योंकि हिंदी भाषा के समर्थकों का कहना है कि हिन्दी एकमात्र भाषा है जो सबको जोड़ती है उनका यह कहना है कि भारत में सभी को हिन्दी बोलनी चाहिए क्योंकि यह हमारी राष्ट्रभाषा है, जो कि सही नहीं है हिन्दी भी अंग्रेजी की तरह राजकीय भाषा है।

मामला उस समय चरम पर पहुंच गया जब एक ऑटोरिक्षा ड्राइवर ने एक प्रवासी महिला यात्री को थप्पड़ मार दिया क्योंकि उस महिला ने ऑटोरिक्षा ड्राइवर को थोड़ी देर इंतजार कराने के बाद राइड कैन्सिल कर दी थी। इसके

- सारा विवाद एक ऑटोरिक्षा चालक और एक प्रवासी महिला के बीच राइड कैन्सिल करने को लेकर शुरू हुआ, ऑटोरिक्षा चालक ने महिला को थप्पड़ मार दिया था।

- पुलिस ने चालक की इस हरकत को गलत बताकर गिरफ्तार कर लिया, पर बैंगलोर के स्थानीय लोग ऑटोरिक्षा चालक को "पीड़ित" बता रहे हैं।

- स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रवासी ना केवल उनके रोजगार छीन रहे हैं बल्कि सालों यहां रहने के बाद भी कन्नड़ भाषा का एक शब्द नहीं सीखते और स्थानीय लोगों पर हिंदी बोलने का दबाव डालते हैं।

बाद दोनों में तीखी बहस हुई लेकिन इससे स्थानीय बनाम बाहरी मुद्दा भी गर्मा गया। इसके बाद टिक्तर पर दोनों पक्षों के लोग कूद पड़े और एक प्रकार का भाषा युद्ध छिड़ गया। ऑटोरिक्षा ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया उसे जमानत के लिए तोस हजार रुपये खर्च करने पड़े। इस सबके बाद भी मामला ठंडा नहीं हुआ। हालिया खबरों के अनुसार ड्राइवर अभी भी हिरासत में है उसकी गिरफ्तारी ने कन्नड़ लोगों को एकजुट कर दिया है। उनका कहना है कि

प्रवासी यहाँ आते हैं। बसों रहते हैं पर स्थानीय लोगों के साथ बात कर पाने के लिए कन्नड़ भाषा का एक शब्द भी नहीं सीखते हैं। इसकी बजाय वे स्थानीय लोगों पर हिन्दी बोलने का दबाव बनाते हैं। कन्नड़ लोगों ने इसका घोर विरोध किया और कहा, ऐसा लगता है कि हमारे क्षेत्र में हम ही बाहरी हो गए हैं।

बैंगलोर की पुलिस ने ड्राइवर के हिंसात्मक व्यवहार को आपत्तजनक माना और कहा कि राइड कैन्सिल करने में हिंसा की कोई जगह नहीं है। ऑटो

चालक ने कानून को अपने हाथ में लेकर गलती की है। उक्त ऑटो चालक की गिरफ्तारी के बाद कन्नड़ लोग उसे "पीड़ित" बता रहे हैं।

लेकिन इस मामले को अधिकारतः नकारात्मक प्रचार मिला है और उसे देखते हुए अगर पुलिस ने सजगता नहीं बरती तो संभावना है कि इससे माहौल विगड़ सकता है। स्थानीय लोग इस बात से भी नाराज हैं कि काफी तादाद में प्रवासी भी ऑटो चला रहे हैं। उन्हें डर है कि उनकी आजीविका छिन रही है।

इस बात से कर्नाटक सरकार के प्राइवेट सैक्टर की कम्पनियों में निचले स्तर के 80 प्रतिशत पद स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित करने के निर्णय को समझा जा सकता है। फिलहाल इस निर्णय को होल्ड पर रखा है क्योंकि प्राइवेट सैक्टर ने इसका विरोध किया और कहा यह नीति उन्हें सही प्रतिभा दूँदने से रोक रही है।

लेकिन ऑटोरिक्षा ड्राइवर की घटना और टाटा कम्पनी द्वारा कर्नाटक व तमिलनाडु की फैक्ट्री के लिए चार हजार टेक्नीशियन बाहर लाने के निर्णय तनाव को और ज्यादा बढ़ा रहे हैं।

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में पांच की मौत

इम्फाल, 7 सितंबर। मणिपुर में बीते साल मई से चल रहा तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बिष्णुपुर में रॉकेट अटैक के बाद अब हिंसा में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है।

- मणिपुर में ताजा हिंसा की घटनाओं के बाद पिछले पांच दिनों से तनाव बहुत बढ़ गया है। शुक्रवार की रात बिष्णुपुर में एक शास्त्र की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा, मणिपुर राइफल्स के हेडक्वार्टर से हथियार लूटने की कोशिश की गई।

मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति को उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह सो रहा था, वहीं बाद में हुई गोलीबारी में चार हथियारबंद लोग मारे गए। मणिपुर पुलिस अधिकारी के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन काफी थक गया है, अपने से एक बहुत बड़े देश के साथ लम्बे समय से युद्ध करते-करते

पश्चिमी देशों की यूक्रेन को और आधुनिकतम हवाई जहाज देने में कुछ हिचकिचाहट के कारण यूक्रेन के पास ऐसे हवाई जहाज नहीं हैं जो रूस के बहुत अंदर जाकर बमबारी कर सकें, अतः युद्ध खिंचता ही जा रहा है

-अंजन गॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। हताशा से भरा यूक्रेन अब एक नए प्रकार के हथियार का प्रयोग कर रहा है, जिसने रूस के अग्रिम पंक्ति के सैनिकों में दिल दहलाने वाला भय पैदा हो रहा है। यूक्रेन के नवीनतम ड्रोन रूसी सेना पर आग बरसा रहे हैं और ये इतने घातक हैं कि रूसी सेना आतंकित हो रही है। लेकिन, यूक्रेन के मित्र इस बात को लेकर चिंतित हैं कि रूस इन हथियारों के जवाब में क्या प्रतिक्रिया दे सकता है।

ये ड्रोन, जिन्हें ड्रैगन ड्रोन्स कहते हैं, आकाश से अल्युमिनियम पाउडर और आयरन ऑक्साइड का मिश्रण छोड़ते हैं, जो 2,220 सेंटीग्रेड तक "हीट" पैदा कर सकता है और यह उस पूरे क्षेत्र को जलाने में सक्षम है जहाँ ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। इस तरह की आग

मनुष्य को भयंकर नुकसान पहुंचा सकती है। यदि कोई इस आग से बच भी गया तो उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं। इन दो तत्वों का मिश्रण, जिसे थर्मलाइट्स कहते हैं, का प्रयोग प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में किया गया था। इस मिश्रण की प्रकृति (प्रोपर्टीज) की खोज जर्मनी के एक वैज्ञानिक ने सन् 1890 में की थी। अपनी "थर्मल वैल्यूज" के कारण यह तत्व रेलवे लाइन बिछाने और रेल लाइन को वैलड करने में उपयोगी पाया गया था। बाद में, जब प्रथम विश्व युद्ध शुरू हुआ तो, जर्मनी ने दुश्मन में दहशत फैलाने के लिए मिलिटरी टूल के रूप में इसको उपयोगी पाया। इस तरह प्रथम विश्व युद्ध में इसका उपयोग शुरू हुआ। यूक्रेन अब ड्रोन हमलों में हथियार के रूप में थर्मलाइट्स का उपयोग कर

- पश्चिमी देशों की हिचकिचाहट का कारण, वो यह अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि इस "डीप बमबारी" के बाद रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी। रूस और आक्रामक भी हो सकता है तथा उसके मित्र राष्ट्र, जो अभी किनारे खड़े होकर सहानुभूतिपूर्ण आँखों से युद्ध देख रहे हैं, पर, युद्ध में रूस के पक्ष में कूदे नहीं हैं।

- हताशा होकर यूक्रेन ने पुराना हथियार "थर्मलाईट" डूँढकर, पोंछ पाँछ कर निकाला है तथा ड्रोन्स पर चढ़ाकर, रूस पर ड्रोन्स से आक्रमण करने की रणनीति बना ली है।

- "थर्मलाईट" 2220 डिग्री सेंटीग्रेड तक की आग बरसा सकता है तथा जमीन पर इस भारी आग से तबाही मचती ही है, साथ ही यह शत्रु के सैनिकों में भय फैला देता है तथा जंगलों में गुफाओं में छुपे सैनिक बाहर आने को मजबूर हो जाते हैं।

रहा है। इन ड्रोन्स का उपयोग अग्रिम पंक्तियों में किया जा रहा है, तथा इससे जंगलों में गुफाओं में छुपे हुए रूसी सैनिक भी बाहर आने को मजबूर हो जाते हैं। अत्यधिक तेज आग भड़काने वाली प्रकृति के कारण, यूक्रेन ने इन ड्रैगन फायर ड्रोन्स का उपयोग हाल ही में घने जंगली क्षेत्रों में किया है, जहाँ

रूसी सैनिकों ने पोजीशन ले रखी थी। ये ड्रोन बड़े-बड़े क्षेत्रों में आग लगाकर छुपे रूसी सैनिकों को बाहर ला सकते हैं। इन ड्रोन्स के द्वारा पिघली घातु आकाश से गिरती है। यूक्रेन ने इस टेक्नालोजी की भारी सफलता का दावा किया है। यूक्रेन, रूस की बढ़ी हुई एयर स्ट्रायकस का जवाब देने के लिए अपने

पास एयर फायर पावर नहीं होने की शिकायत करता आया है। रूसी एयर फोर्स ने यूक्रेन की पोजीशन्स को भारी नुकसान पहुँचाया है। रूस जब चाहे तब आकाश से गिरती है। यूक्रेन ने इस टेक्नालोजी की भारी सफलता का दावा किया है। यूक्रेन, रूस की बढ़ी हुई एयर स्ट्रायकस का जवाब देने के लिए अपने

पास एयर फायर पावर नहीं होने की शिकायत करता आया है। रूसी एयर फोर्स ने यूक्रेन की पोजीशन्स को भारी नुकसान पहुँचाया है। रूस जब चाहे तब आकाश से गिरती है। यूक्रेन ने इस टेक्नालोजी की भारी सफलता का दावा किया है। यूक्रेन, रूस की बढ़ी हुई एयर स्ट्रायकस का जवाब देने के लिए अपने